राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–84/2026

समर्थ पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालयों में डिजिटल एवं पारदर्शी प्रशासन को मिल रही नई दिशा

पटना 19 मई, 2026 :– राज्य के विश्वविद्यालयों में डिजिटल प्रशासन एवं पारदर्शी शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से "समर्थ पोर्टल" के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में विश्वविद्यालयों में नामांकन एवं अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इससे राज्य के विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता एवं डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों को अधिक सुगम एवं आधुनिक सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

समर्थ पोर्टल के सफल क्रियान्वयन के लिए संस्थागत सक्रियता एवं प्रशासनिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। गत वर्ष पूर्णिया विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया का सफल संचालन किया था। इस वर्ष भी 02 विश्वविद्यालयों ने नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है तथा 02 अन्य विश्वविद्यालय शीघ्र ही लाइव होने वाले हैं।

पूर्व में यूएमआईएस प्रणाली के संचालन हेतु विश्वविद्यालयों को निजी एजेंसियों को करोड़ों रुपये का भुगतान करना पड़ता था, जबकि समर्थ पोर्टल के क्रियान्वयन में किसी प्रकार का सॉफ्टवेयर शुल्क नहीं लगेगा। इससे होने वाली बचत का उपयोग विश्वविद्यालय तकनीकी संसाधनों एवं डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने में कर सकेंगे।

समर्थ पोर्टल के सुचारु संचालन हेतु बेलट्रॉन के माध्यम से सभी 13 विश्वविद्यालयों एवं उनके महाविद्यालयों के लिए 323 कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक अतिरिक्त प्रोग्रामर रखने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

समर्थ पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अब तक 06 भौतिक एवं 100 से अधिक ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है। साथ ही, प्रत्येक गुरुवार को नियमित समीक्षा बैठक एवं ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाती है।

.....